भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5186
उत्तर देने की तारीख 24 जुलाई, 2019

पूर्वी घाटों में मोबाइल नेटवर्क

5186. श्री अच्युतानंद सामंतः

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पूर्वी घाटों में पर्वतीय इलाकों के कई क्षेत्र और कंधमाल जिले के कई क्षेत्रों को न तो निजी संचार प्रदात्ताओं और न ही भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) से पर्याप्त मोबाइल नेटवर्क प्राप्त हो पाता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) उक्त क्षेत्रों में कब तक संचार संपर्क और नेटवर्क कवरेज सुधर जाने की संभावना है और इसमें कितना खर्च आने की संभावना है?

उत्तर

संचार, विधि और न्याय तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री रविशंकर प्रसाद)

(क) से (ग) जी, हां। कंधमाल के कुछ गांवों तथा पूर्वी घाट के पहाड़ी इलाकों में किसी निजी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं अथवा भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की कोई नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के अनुसार दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र, काफी कम आबादी वाले विरल गांवों, निम्न आर्थिक क्रियाकलाप आदि घटक सार्वभौमिक आधार पर मोबाइल सेवाएं उपलब्ध कराने में तकनीकी-वाणिज्यिक दृष्टि से चुनौती पेश करते हैं। इसक अलावा, किफायती ब्लैक-हॉल ट्रांसमिशन की व्यवहार्यता की कमी भी सेवाओं की व्यवस्था के सापेक्ष एक बाधा है। कंधमाल जिला का अधिकतर हिस्सा वनाच्छादित है। कंधमाल जिले के 2587 गांवों में से 768 गांवों में दूरसंचार सेवाएं मौजूद हैं जबकि 1819 गांव इस सेवा से वंचित हैं। वर्ष 2018 में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार पूर्वी घाट के पहाड़ी इलाकों से जुड़े राज्यों नामत: आंध्र प्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में बसे हुए मगर दूरसंचार सेवा से वंचित गांवों (विभाग के फील्ड यूनिटों से प्राप्त सूचना शामिल है) की कुल संख्या **अनुबंध-I** के रूप में संलग्न है।

जारी.....2

देश में मोबाइल कवरेज से वंचित गांवों को सरकार तथा टीएसपी द्वारा चरणबद्ध तरीके से कवरेज प्रदान किया जा रहा है। बसे हुए परंतु सेवा से वंचित गांवों में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने/सुकर बनाने के लिए निम्नलिखित योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है:-

(i) वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र परियोजना के चरण-II के तहत सरकार ने ओडिशा में 252 मोबाइल टावरों सहित 3465 मोबाइल टावरों को लगाने को (कुल 5024 करोड़ रूपए का परिव्यय) मंजूरी दे दी है। वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) परियोजना के चरण-I के तहत कंधमाल जिले में 23 टावर लगाए जा चुके हैं।

(ii) भारतनेट परियोजना को कंधमाल तथा पूर्वी घाट के पहाड़ी इलाकों सहित देश के सभी ग्राम पंचायतों (लगभग 2,50,000) को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है। दिनांक 04.07.2019 की स्थिति के अनुसार 3,45,779 कि.मी. ऑप्टिकल फाइबर (ओएफसी) बिछाकर कुल 1,31,392 ग्राम पंचायतों को जोड़ा जा चुका है जिनमें से 1,20,562 पंचायत सेवा के लिए तैयार कर दिए गए हैं। इसके अलावा 854 ग्राम पंचायतों को सेटेलाइट मीडिया पर सेवा की दृष्टि से तैयार कर दिया गया है।

कंधमाल जिले में करीब 160 ग्राम पंचायतें हैं। दिनांक 04.07.2019 की स्थिति के अनुसार 141 ग्राम पंचायतों को ओएफसी से जोड़ा जा चुका है जिनमें से 136 ग्राम पंचायतों को सेवा के लिए तैयार कर दिया गया है।

इस परियोजना के हिस्से के तौर पर वाई-फाई या किसी दूसरे उपयुक्त ब्रॉडबैंड प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश के सभी ग्राम पंचायतों को अंतिम छोर तक की कनेक्टिविटी प्रदान की जा रही है। इसके अलावा डिजिटल संचार आयोग (डीईसी) ने दिनांक 13.06.2019 को यूएसओएफ स्कीमों के तहत वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट वाले राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में (ओडिशा के कंधमाल जिला तथा पूर्वी घाटों के पहाड़ी क्षेत्र सहित) भारतनेट चरण-I के 90,000 ग्राम पंचायतों में से प्रत्येक में 2 वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट (एपी) की व्यवस्था करने हेतु कार्य सौंपने को मंजूरी दे दी है।

जारी.....3

अनुबंध-।

लोक सभा में दिनांक 24 जुलाई, 2019 को माननीय सांसद श्री अच्युतानंद सामंत द्वारा 'पूर्वी घाटों में मोबाइल नेटवर्क' के बारे में पूछे गए अतारांकित प्रश्न सं. 5186 के पैरा (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पूर्वी घाट के राज्यों के बसे हुए परंतु मोबाइल सेवा से वंचित गांवों की संख्या तथा सूचनाएं

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	बसे हुए परंतु मोबाइल सेवा से वंचित गांवों की संख्या	पूर्वी घाट से संबंधित सूचना
1.	आन्ध्र प्रदेश	2745	आन्ध्र प्रदेश के पूर्वी घाटों वाले क्षेत्र (9 जिले) में सेवा से वंचित 2562 गांव हैं।
2.	कर्नाटक	869	कर्नाटक में पूर्वी घाट प्रमुखता प्राप्त नहीं है।
3.	केरल	शून्य	-
4.	ओडिशा	9940	कंधमाल जिले का अधिकतर हिस्सा वनाच्छादित है। कंधमाल जिले के 2587 गांवों में से 768 गांवों में दूरसंचार सेवाएं मौजूद है तथा 1819 गांव इससे वंचित हैं।
5.	तमिलनाडु	83	तमिलनाडु के पूर्वी घाट में तीन पहाड़ी क्षेत्र अर्थात जवाडु पहाड़ी, कलरायान पहाड़ी एवं कोल्लि पहाड़ी आते हैं। इन पहाड़ियों में 104 बसे हुए गांव हैं तथा इनमें से 31 गांवों में मोबाइल का कवरेज मौजूद नहीं है।

*****